मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

जेएमआई की लॉ एल्युमना आफ़रीन नाज़ को लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पॉलिटिकल साइंस (एलएसई) में अध्ययन हेतु शेवनिंग छात्रवृत्ति प्रदान की गई

नई दिल्ली, 12 सितंबर, 2025

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के विधि संकाय से बीएएलएलबी (ऑनर्स) 2024 स्नातक आफ़रीन नाज़ को विधिक अध्ययन के लिए विश्व स्तर के अग्रणी संस्थान, लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पॉलिटिकल साइंस (एलएसई) में विधि में स्नातकोत्तर (एलएलएम) करने हेतु यूके सरकार द्वारा प्रतिष्ठित शेवनिंग छात्रवृत्ति प्रदान की गई है।

शेवनिंग छात्रवृत्ति दुनिया के सबसे प्रतिस्पर्धी अंतरराष्ट्रीय छात्रवृत्ति कार्यक्रमों में से एक है। इस वर्ष, 160 से अधिक देशों के एक लाख से अधिक आवेदकों ने इस ऑनर के लिए प्रतिस्पर्धा की, जिनमें से केवल लगभग 1,000 का ही चयन हुआ। आफ़रीन का चयन उन्हें भविष्य के लीडर्स और परिवर्तनकर्ताओं के एक प्रतिष्ठित वैश्विक समूह में शामिल करता है।

आफ़रीन की शैक्षणिक और व्यावसायिक यात्रा उत्कृष्ट उपलब्धियों, गतिशील नेतृत्व और राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय, दोनों स्तरों पर सार्थक बदलाव लाने की अटूट प्रतिबद्धता का उदाहरण है। जामिया मिल्लिया इस्लामिया में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने प्रो बोनो क्लब की संयोजक के रूप में कार्य किया, जो भारत सरकार के विधि एवं न्याय मंत्रालय के अंतर्गत एक पहल है, जहाँ उन्होंने न्याय तक पहुँच बढ़ाने के लिए प्रभावशाली कार्यक्रमों का नेतृत्व किया। अपने विश्वविद्यालय के प्रयासों के अलावा, उन्होंने महत्वपूर्ण नेतृत्वकारी भूमिकाएँ भी निभाई हैं, जिनमें वीमेन'स इंडियन चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री'स डेल्ही लीगल राइट्स कंसोर्टियम (WICCI-DLRC) की अध्यक्ष, ग्रिंसपायर वेलफेयर फाउंडेशन की मुख्य ऑपरेटिंग ऑफिसर और मालदीव मूट कोर्ट सोसाइटी में मूटिंग एडवोकेसी कार्यक्रमों के प्रमुख की भूमिका शामिल हैं। इसके अलावा, आफ़रीन ने जामिया में अपने कार्यकाल के दौरान राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मूट कोर्ट प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

उनकी पेशेवर यात्रा भारत के कुछ सबसे प्रतिष्ठित कानूनी और मानवाधिकार संस्थानों से जुड़ी हुई है, जिनमें भारतीय राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी), वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. प्रदीप राय का कार्यालय, और लक्ष्मीकुमारन एंड श्रीधरन अटॉर्नी जैसी प्रमुख लॉ फर्में, साथ ही कई प्रमुख गैर सरकारी संगठन और वकालत संगठन शामिल हैं।

आफ़रीन ने कहा, "जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने मेरे मूल्यों, कौशल और न्याय के प्रति प्रतिबद्धता को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह छात्रवृत्ति केवल एक शैक्षणिक उपलब्धि नहीं है, यह मेरे गृह राज्य झारखंड और उसके बाहर सकारात्मक बदलाव लाने का संकल्प है।"

एलएलएम पूरा करने के बाद, आफ़रीन कानूनी नीति सुधारों पर काम करने, न्याय वितरण प्रणालियों की प्रभावशीलता में सुधार करने और समाज के सभी वर्गों के लिए निष्पक्षता, समानता और सम्मान को बढ़ावा देने वाली पहलों का नेतृत्व करने के लिए भारत लौटने का इरादा रखती हैं।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली के विधि संकाय के डीन, प्रो. (डॉ.) गुलाम यज़दानी ने आफ़रीन को इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा, "हमें आफ़रीन की उपलब्धि पर बेहद गर्व है। उसकी सफलता उसकी कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प का प्रमाण है। उसने विधि संकाय और जामिया मिल्लिया इस्लामिया को बहुत सम्मान दिलाया है। संपूर्ण जामिया बिरादरी की ओर से, मैं उसकी भविष्य की यात्रा के लिए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।"

यूके फॉरेन, कॉमनवेल्थ एंड डेवलपमेंट ऑफिस (एफसीडीओ) द्वारा वित्त पोषित, शेवनिंग स्कॉलरशिप असाधारण शैक्षणिक उपलब्धि वाले व्यक्तियों को मान्यता देती है और यूके में स्कॉलर के प्रवास के दौरान ट्यूशन फीस, यात्रा लागत, मासिक जीवन भत्ता, वीजा शुल्क और अन्य आवश्यक खर्चों को कवर करते हुए पूर्ण वित्तीय सहायता प्रदान करती है।

प्रोफेसर साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी